

मर्क रेवा ५५५ मर्क रेवा क्षमा करो ५५५ मर्क क्षमा करो  
 शूल धारिणी ५५५५५ वीणा धारिणी ५५५ मर्क  
 शूल धारिणी ५५५५५ वीणा धारिणी  
 अमरकंटक वाली ५५५५५ तेरा सहारा  
 दुखड़े मिटाओ मैया - कोई न हमारा  
 मर्क रेवा ५५५ मर्क रेवा.....

तेरी माया तू ही जाने  
 पार तेरा न पाया है ५५५५ न पाया है ५५५  
 ब्रम्हा विष्णु और शिवजी ने  
 तेरा ही गुण गाया है ५५५ मर्क गाया है  
 पाप विनाशनी माता ५५५५५  
 देना सहारा ५५५५  
 मेरे जीवन की जो धारा बही  
 तेरे ही तो द्वारा -

मर्क रेवा ५५५ मर्क रेवा ५५५.....  
 भेष दिया है आपने माता...  
 हूँ आभारी चरणों का ५५५५ श्री चरणों का ५५५  
 आँखें सबकी देख रही हैं  
 भेद बचा नहीं वर्णों का ५५५ यहाँ वर्णों का ५५५  
 मर्कवाहिनी माता ५५५५५  
 तेरा सहारा ५५५५  
 सत्य धर्म और भक्ति को तो  
 हठ धर्मी ने मारा ५५५५५

मर्क रेवा..... मर्क रेवा-----



मर्लें ही गंगा, मर्लें ही यमुना  
 मर्लें रेवा बन जाती हो <sup>SSS</sup> बन जाती हो <sup>SSS</sup>  
 निज भक्तों के पाप मिटाके  
 भवतरणी बन जाती हो <sup>SSS</sup> बन जाती हो <sup>SSS</sup>  
**मेकल पर्वत वाली** <sup>SSSS</sup>

देना सहारा <sup>SSSSS</sup>

चलने वाला सत्मारण पर

फिरता मारा-मारा <sup>SSS</sup>

**मर्लें रेवा** <sup>SSSS</sup> **मर्लें रेवा** -----

जो भी ज्ञान दिया है मर्लें ने  
 जान से ज्यादा प्यारा है <sup>SSS</sup> मुझे प्यारा है <sup>SSS</sup>  
 निर्विकार और शुद्ध विधिका  
 फल तो मैया न्यारा है <sup>SSSS</sup> मर्लें न्यारा है

**रत्ना सागर वाली** <sup>SSSS</sup>

देना सहारा <sup>SSSSS</sup>

हर दुखड़ो से मर्लें तूने <sup>SSS</sup>

**"श्री बाबा श्री"** को उबारा

**मर्लें रेवा** <sup>SSSS</sup> **मर्लें रेवा** -----